UTSAV FOUNDATION

Hindi-Code No. 301 **SYLLABUS-2025-26**

EXAMINATION BOARD-NIOS
Hindi

Code No. 301

भूमिका

हिंदी देश में सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है तथा यह संपर्क-भाषा और कामकाजी भाषा के रूप में भी प्रयुक्त होती है। इस भाषा का इतिहास लगभग 1000 ईसवी से शुरू होता है और एक लंबे अंतराल में इसमें अनगिनत रचनाओं की सृष्टि की गई और इसकी वैज्ञानिकता सर्वमान्य रही। इसमें रचनात्मक और साथ ही जान के साहित्य का विशाल भंडार है। अतः विषय के रूप में हिंदी शाणा का अध्ययन महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

औचित्य

दसवीं कक्षा तक विद्यार्थी भाषा का आधारभूत ज्ञान प्राप्त कर लेता है, किंतु उच्चतर माध्यमिक स्तर पर भाषा के विविध प्रयोगों का गहन अध्ययन और उपयोग आवश्यक है।

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करता है, जैसे इस पाठ्यक्रम में साहित्य और भाषा का समन्वय किया गया है जिससे विद्यार्थी एक ओर दैनिक जीवन और आजीविका के लिए भाषा का व्यावहारिक जान प्राप्त कर सकें और दूसरी ओर हिंदी भाषा तथा साहित्य का उच्चतर अध्ययन कर पाने के योग्य बन सकें।

पूर्व अपेक्षाएँ

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश से पहले विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशलों से संबंधित निम्नलिखित योग्यताएँ प्राप्त कर चुके होंगे-

- भाषा के व्यावहारिक और साहित्यिक रूपों का अर्थग्रहण
- कथन और वर्णन की क्षमता।
- वन मूल्यों की पहचान।
- तालिका, आरेख आदि बनाना तथा उनकी व्याख्या।
- बोलने और लिखने में व्याकरण-सम्मत भाषा का उपयोग।

उद्देश्य

सामान्य उद्देश्य

- इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद आप
- भाषिक और साहित्यिक योग्यता का विकास कर उनका प्रयोग कर सके
- हिंदी की व्याकरणसम्मत समाज-समित और व्यावहारिक अभिव्यक्ति का किसक
- हिंदी की साहित्यिक सामाजिक संवेदना की समझ और उसे परंपरा से जोड़ कर प्रस्तुत कर
- साहित्यिक प्रयोजनपरक और व्यावहारिक भाषा के विविध रूपों की तुलना कर सकेंगे

- राष्ट्रीय भावधारा और राष्ट्रीय समस्याओं की पहचान कर उनका उल्लेख कर सकेंगे।

विशिष्ट उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद आपः

- हिंदी भाषा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे:
- रोजमर्रा की जिंदगी में मौखिक भाषा का उपयुक्त उपयोग कर सकेंगे
- किसी पठित या अपठित उक्ति की तर्क सहित व्याख्या कर सकेंगे;
- निर्धारित रचनाओं के कथ्य और भाषा की विशेषताओं को रेखांकित कर सकेंगे;
- नवीन गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं के स्वरूप की पहचान कर उनका वर्णन कर
- सकेंगे:
- पठित-अपठित अंश काव्यांश गद्यांशद्ध की सराहना करके उन पर टिप्पणी कर सकेंगे:
- व्याकरणिक तथा सामाजिक संदर्भों के अनुरूप संप्रेषणपरक भाषा का उपयोग कर सकेंगे:
- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी हासिल कर उनका उल्लेख कर सकेंगे:
- प्रयोजन-परक भाषा का ज्ञान प्राप्त कर उनका उपयोग कर सकेंगे;
- संचार तथा प्रोद्योगिकी अथवा विज्ञान के क्षेत्र में प्रयुक्त विशिष्ट भाषा का उल्लेख कर सकेंगे।

क्षेत्र तथा रोजगार के अवसर

इस विषय में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार है.

- विद्यालयी शिक्षण
- महाविद्यालयी शिक्षण
- विश्वविद्यालयी शिक्षण
- पत्रकारिता
- जनसंचार
- अनुवाद
- मीडिया इत्यादि

UTSAV FOUNDATION

Hindi-Code No. 301 **SYLLABUS-2025-26**

EXAMINATION BOARD-NIOS

शैक्षणिक योग्यताः दसवी उत्तीर्ण

अध्ययन का माध्यमः हिंदी

पाठ्यक्रम की अवधिः

पाठ्यक्रम के भाग	अंक: 85	समय (घंटे मैं)
1. केंद्रिक	85	210
क. सुनना	00	10
ख. बोलना	00	10
ग. पढ़ना	47	90
घ. लिखना		
(प्रयोजनमूलक भाषा)	28	
ङ. व्यावहारिक व्याकरण	10	40
2. वैकल्पिक		
क. सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी		
ख. विज्ञान की भाषा - हिंदी		
कुल योग	**100**	**240**

टप्पणीः सुनना और पढ़ना कौशल द्वारा अर्थबोध होता है, जबकि बोलना और लि

भिव्यक्ति के साधन हैं।)

ठ्यक्रम का विवरण

UTSAV FOUNDATION

Hindi-Code No. 301 **SYLLABUS-2025-26**

EXAMINATION BOARD-NIOS

केंद्रिक

(क) सुनना व (ख) बोलना

अंक 00 समयः 20 घंटे

लक्ष्य: इस इकाई का लक्ष्य विद्यार्थियों में सुनने के कौशल को विकसित करना है जिससे वे रेडिय दूरदर्शन पर समाचार संवाद, वार्ता आदि सुनकर अर्थ ग्रहण कर सके और शोर में भी घोषणाओं मे अर्थ निकाल सके। वे वाद-विवाद, समूह में बातचीत औपचारिक-अनौपचारिक चर्चा आदि में भाग के सके और दैनिक जीवन में प्रयुक्त भाषा के मौखिक रूप से परिचित होकर उसका उपयोग करने की क्षमता विकसित कर सकें।

पूर्वजान्द्र भाषा के सुनकर अर्थ निकालने के साथ ही बोलने का सामान्य व्यावहारिक ज्ञान।

शिक्षण बिंदु

1. हिंदी ध्वनियों का शुद्ध उच्चारण

2. उच्चारण-संबंधी प्रमुख नियमों का जान

3. कविता का भावानुकूल पठन्, करुण, हास्य, वीर आदि।

4. स्वर-लहर से युक्त वक्तव्य, भाषण, वाद-विवाद, साक्षात्कार, समूह में चर्चा-परिचर्चा, कार्यक्रम संचालन, अभिनय, वाचन आदि का अभ्यास।

(ग) पढ़ना

<u>अंक: 47 समयः 90 घंटे</u>

कविता पठन

लक्ष्य. इस इकाई का लक्ष्य विद्यार्थी को हिंदी कविता का महत्त्व बताना है। इस इकाई को पढ़कर विद्यार्थी प्राचीन काल से लेकर अब तक की कविता के विभिन्न रूपों, प्रमुख कवियों आदि का परिचय प्राप्त करेंगे और हिंदी के प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं का अध्ययन करेंगे। इससे विद्यार्थियों की संवेदनशीलता बढ़ेगी और भाषा-शैली समृद्ध होगी।

पूर्वज्ञानः हिंदी के कुछ प्रतिनिधि कवियों और उनकी मुख्य रचनाओं का सामान्य परिचय।

UTSAV FOUNDATION

Hindi-Code No. 301 **SYLLABUS-2025-26**

EXAMINATION BOARD-NIOS

शिक्षण बिंदु निम्नलिखित इकाइयों का अध्ययन अपेक्षित है

क्रम संख्या	**TMA 40%**	PUBLIC EXAMINATION60%
	1. निगुण भक्ति काव्य: कबीर और जायसी	2. सगुण भक्ति काव्य: तुलसीदास, सूरदास और मीराँबाई
	4. छायावादी काव्य: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और जयशंकर प्रसाद	3. रीतिकाव्य: बिहारी और पद्माकर
	6.नयी कविता: अज्ञेय और भवानी प्रसाद मिश्र	5. उत्तर छायावादी काव्य: दिनकर और बच्चन
	11.दो कलाकार: मृदुला भंडारी	6.साठोत्तरी कविता: सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और धूमिल
		पाठ -7 साठोत्तरी कविता : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और दुष्यंत कुमार
	12.जिजीविषा की विजय: कैलाश चंद्र भाटिया	8.समकालीन कविता: आज की कविता: राजेश जोशी तथा नरेश सक्सेना
	15.ठेस: फणीश्वरनाथ 'रेणु'	9.चीफ़ की दावत: भीष्म साहनी
	18.यक्ष प्रश्न: चक्रवर्ती राजगोपालाचारी	10.पीढ़ियाँ और परिवेश: हरिशंकर परसाई
	19.लेखन-कौशल: अनुच्छेद लेखन, फीचर तथा रिपोर्टिंग	13.सुभद्रा कुमारी चौहान: महादेवी वर्मा
	22.सभा एवं मंच संचालन और उद्घोषणा	14.कुटज: आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
		16.रीढ़ की हड्डी: जगदीशचंद्र माथुर
		17.अंडमान डायरी: श्रीकांत शर्मा
		20.कार्यालयी पत्राचार
		21.टिप्पणी और प्रपत्रण
		23.हिंदी के विविध क्षेत्र
		24.हिंदी और जनसंचार-माध्यम
		25.हिंदी और प्रौद्योगिकी

अध्याय - 2: सगुण भक्ति काव्य (तुलसीदास, सूरदास और मीराबाई)

विषय (Topics):

- **सगुण भक्ति का स्वरूप**
- **तुलसीदास का काव्य और रामभक्ति**
- **सूरदास का कृष्ण प्रेम**
- **मीराबाई की कृष्ण के प्रति भक्ति और समर्पण**
- **भक्ति काव्य की विशेषताएँ**
- **सगुण भक्ति में प्रेम, समर्पण और मर्यादा**

मूलभाव (Moolbhav):

- **ईश्वर के प्रति प्रेम और श्रद्धा**
- **राम और कृष्ण की भक्ति का महत्व**
- **निरंतर भक्ति और आत्मसमर्पण**
- **साहित्य और संस्कृति में भक्ति आंदोलन का प्रभाव**

अध्याय - 3: रीतिकाव्य (बिहारी और पद्माकर)

विषय (Topics):

- **रीतिकाव्य की विशेषताएँ**
- **बिहारी का काव्य और नीति संदेश**
- **पद्माकर का काव्य सौंदर्य**
- **श्रृंगार, नीति और भक्ति का समन्वय**
- **रीतिकालीन साहित्य और समाज**
- **अलंकारिकता और काव्य सौंदर्य**

मूलभाव (Moolbhav):

- **श्रृंगार रस की प्रधानता**
- **नीति और भक्ति के तत्व**
- **अलंकारों और काव्यशैली का महत्व**
- **समाज और संस्कृति पर प्रभाव**

अध्याय - 5: उत्तर छायावादी काव्य (दिनकर और बच्चन)

विषय (Topics):

- **उत्तर छायावाद की विशेषताएँ**
- **रामधारी सिंह दिनकर का राष्ट्रवादी काव्य**
- **हरिवंश राय बच्चन का व्यक्तिवादी और मधुर काव्य**
- **वीर रस और ओजस्विता का प्रभाव**
- **प्रेम, समाज और स्वतंत्रता का चित्रण**
- **छायावाद के बाद के काव्य की प्रवृत्तियाँ**

मूलभाव (Moolbhav):

- **राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना**
- **व्यक्तिवाद और भावनात्मक अभिव्यक्ति**

- **काव्य में संघर्ष, वीरता और प्रेरणा**
- **लोकप्रिय शैली और सरल भाषा का प्रयोग**

अध्याय - 6: साठोत्तरी कविता (सर्वेश्वरदयाल सक्सेना और धूमिल)

विषय (Topics):

- **साठोत्तरी कविता की विशेषताएँ**
- **नयी कविता और यथार्थवाद**
- **सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का सामाजिक सरोकार**
- **धूमिल की क्रांतिकारी एवं जनवादी चेतना**
- **राजनीतिक और सामाजिक विसंगतियों का चित्रण**
- **व्यंग्य, विद्रोह और आक्रोश की अभिव्यक्ति**

मूलभाव (Moolbhav):

- **समाज की सच्चाई और कटु यथार्थ का चित्रण**
- **राजनीतिक भ्रष्टाचार और आम आदमी की पीड़ा**
- **संवेदनशीलता, विद्रोह और नई सोच का उदय**
- **काव्य में स्पष्टता, प्रभावी भाषा और नवीन प्रयोग**

अध्याय - 8: समकालीन कविता (आज की कविता: राजेश जोशी तथा नरेश सक्सेना)

विषय (Topics):

- **समकालीन कविता की विशेषताएँ**
- **राजेश जोशी की कविता में सामाजिक चेतना**
- **नरेश सक्सेना की कविता में संवेदनशीलता और प्रकृति**
- **आधुनिक जीवन, संघर्ष और आम आदमी की स्थिति**
- **यथार्थवाद, प्रतीकात्मकता और नई अभिव्यक्तियाँ**
- **सरल भाषा में गहरी संवेदनाएँ**

मूलभाव (Moolbhav):

- **आधुनिक समाज की सच्चाई का चित्रण**
- **आम आदमी के संघर्ष और जीवन की अनुभूतियाँ**
- **प्राकृतिक सौंदर्य, मानवीय संवेदना और सामाजिक चेतना**
- **सरल, सहज और प्रभावशाली भाषा का प्रयोग**

अध्याय - 9: चीफ़ की दावत (भीष्म साहनी)

विषय (Topics):

- **भारतीय समाज में वर्गभेद और विसंगतियाँ**
- **सत्ता, अहंकार और सामाजिक अन्याय**
- **मुख्य किरदारों के माध्यम से यथार्थवादी चित्रण**
- **मानवता बनाम लालफीताशाही और नौकरशाही मानसिकता**
- **व्यंग्य और कटाक्ष का प्रयोग**
- **सामाजिक मर्यादाओं और मूल्यों का पतन**

मूलभाव (Moolbhav):

- **सामाजिक विषमता और वर्गभेद की समस्या**
- **मानवीय संवेदनाओं का क्षय और सत्ता का अहंकार**
- **आम आदमी की मजबूरी और शोषण की सच्चाई**
- **व्यंग्यात्मक शैली में समाज की कटु सच्चाई का चित्रण**

अध्याय - 10: पीढ़ियाँ और परिवेश (हरिशंकर परसाई)

विषय:

- पीढ़ियों के विचारों में अंतर
- परंपरा बनाम आधुनिकता
- नैतिकता और मूल्यों का बदलाव
- हास्य-व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक यथार्थ

मूलभाव:

- बदलते समय के साथ मानसिकता में परिवर्तन
- समाज और व्यक्ति के बदलते रिश्ते
- नई और पुरानी पीढ़ी का टकराव
- गहरे सामाजिक चिंतन की अभिव्यक्ति

अध्याय - 13: सुभद्रा कुमारी चौहान (महादेवी वर्मा)

विषय (Topics):

- सुभद्रा कुमारी चौहान का जीवन और कृतित्व
- उनकी कविताओं में देशभक्ति और समाज सुधार
- नारी शक्ति और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान
- साहित्य में उनका योगदान और प्रभाव

- महादेवी वर्मा द्वारा सुभद्रा कुमारी चौहान का चित्रण

मूलभाव (Moolbhav):

- नारी सशक्तिकरण और समाज सुधार
- देशभक्ति और बलिदान की भावना
- साहित्य और समाज में क्रांतिकारी चेतना
- संवेदनशीलता और कर्तव्यपरायणता

अध्याय - 14: कुटज (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

विषय:

- कुटज वृक्ष का प्रतीकात्मक महत्व
- संघर्ष, आत्मनिर्भरता और धैर्य
- प्रकृति और भारतीय संस्कृति का संबंध

मूलभाव:

- कठिनाइयों में दृढ़ता और साहस
- आत्मनिर्भरता और संकल्प शक्ति
- प्रकृति से जीवन दर्शन की प्रेरणा

अध्याय - 16: रीढ़ की हड्डी (जगदीशचंद्र माथुर)

विषय:

- सामाजिक भ्रष्टाचार और नैतिक पतन
- सत्ता और आम आदमी का संघर्ष

मूलभाव:

- आत्मसम्मान और साहस का महत्व
- ईमानदारी और संघर्षशीलता